११ आगा पहुँचैकेर लेल निर्भयसे हमर जैने होये। काहेका तो
हरन्हिके देखैलेल आउर तोहरन्हि कायम होअह् एक
रैलेल कछुया परमार्थकेर सामर्थ तोहरन्हिके देवैलेल अर्थात
तोहरन्हिके आउर हमरा बिश्वाससे तोहरन्हिका साथ
१२ तसल्ला होअैकेर हमरा बडा इच्छा हय। हे भाइन्हि हम
चाहोी नहि का तोहरन्हि अजान रहह् का जैसन आउर
देशिन्हका बीचमे हमरा लाभ हय तैसहि तोहरन्हिका
बीचमेभो का हम कछु लाभ पाई एकरैलेल तोहरन्हिका
१३ नजीक जाईलेल हम बार२ स्थिर केलहो परन्तु अखनो लगि
१४ अटकाव भेल। हम ग्रीक आउर मेलछ यिहूदुनुकेर आउर
१५ पंडित आउर मुर्खन्हिकेर करजदारहो। एकरलेलहम
अपना मखदूरलग हमो तोहरन्हिका आगाभी मंगल सा
१६ चार खबर करैलेल तैयार हो। हम खोष्टका मंगल समाचा
रका विषयमे लजाल हो नहि काहेका यिहूदी ग्रीक वगैरह
जतना बिश्वास करनिहर उन्हकन्हिका आगा उअह् उ
१७ द्धारकेर लेल ईश्वरी करामत। काहेका ओकरामे ईश्वर
केर ये धर्म्म बिश्वाससे होहय उअह् धर्म्म बिश्वासकेर लेल
प्रत्यक्ष हय काहेका असन् लिखल हय धर्म्मी बिश्वाससे
१८ बचता। काहेका ये अद्मो अधर्म्मका बंधनसे सचोटाइके
बांध रखथि उन्हकन्हिकेर सभे बेटहल आउर गरउचित
कामकेर मुद्दयिपनमे ईश्वरकेर गोसा सर्गसे प्रत्यक्ष हय।
१९ काहेका ईश्वरके येर जानल जाय उअह् उन्हकन्हिका बीचमे
प्रतक्ष हथि काहेका ईश्वर उन्हकन्हिके देखौलकैखनह।
२० काहेका ओकर येर बेदेखल अर्थात् ओकर अपार पराक्र
म आउर ईश्वरपन केल चिजन्हिसे संसारकेर जन्मलाका
बेरिसे अछा तरहसे जानल जाहय ओकरैलेल उन्हकन्हि
२१ का उजुर करैकेर राहि नहि हैखन्। काहेका उन्हक
न्हि ईश्वरके जानकरिकेभो ईश्वरकेर असन् ओकर मर्याद

कैलकैखन् नहि आउर स्तुति करनिहारन्हियो नहि भेला
किन्तु अपना रेकातेाकोसे व्यर्थ भेला आउर अपन कोरास्
२२ मन अंधार भेल। उन्हकन्हि अपनाके अपोलगर मान
२३ करिके बेअकुफ भेला। आउर बिनाशी अदमी आउर
पन्छी आउर चरगोडा आउर पेटसे चलनिहार आन्
वरन्हकेर मुर्त्तिमे अबिनाशी ईश्वरका तेजकेर बदला कैल
२४ खन्। एकरै लेल उन्हकन्हि अपना मनकेर इंछासे ईश्वर
लुचपनामे उन्हकन्हिके छोडदेलकैखन् का उन्हकन्हि अप
२५ नार देहकेर परस्पर बेइज्जमत करथि। का जिन्हकन्हि
ईश्वरका बातकेर सच टाइका बदलसुरतमे झुठ बात कबुल
कैलखन् आउर जन्मौनिहारकेर भजन आउर टहलसे ब
नातल चोजकेर भजन आउर टहल कैलखन् उग्रह् जन्मौ
२६ निहार सच्चिदानंद आमिन। ओकरै लेल ईश्वर उन्हकन्हिके
छेंठे प्रेममेभो छोडदेलकैखन् काहेका उन्हकन्हिकेर मेहराह
न्हि सरीरकेर ब्यवहार छोडकरिके विरुद्ध ब्यवहार कैल
२७ खन्। मर्दन्हि मेहराहन्हिकेर संसर्ग छोडकरिके मर्द मर्द
का साथे बदकाम करैतथि छिनरपन्से जरला आउर अप
२८ नार भ्रमकेर उचित फल पैलखन्। आउर जैसन् उन्हकन्हि
अपना ज्ञानमे ईश्वरका रखैकेर यत्न कैलखन् नहि तैसन्
उन्हकन्हि सगरो बेसाधु आउर छिनरपन् आउर बदखा
ही आउर लालच आउर देषसे पूर्ण होकरिके आउर
बददिमागो आउर खून आउर झगरा आउर दगाबाजी
२९ आउर कूटोलपनसे पूर्ण होकरिके आउर कनफुसी करनि
हारन्हि आउर चुगलखोर आउर ईश्वरके घिनौनिहार
आउर बुराकरनिहार आउर अहंकार करनिहार आउर
खोद परसिन्द आउर बुरा कामकेर जन्मौनिहार आउर
३० महतार महतारिकें नहि माननिहार। आउर बेअकुफ

आउर नियम लंघनिहार आउर शारिरिक प्रेम छोडि आ
३१ उर निर्दय आउर मायारहित होकरिके गरउचित करैलेल
३२ ईश्वर उन्हकन्हिके मुर्खपनामे छोड देलकैखन्। येर
अद्मी यिह् तरह्केर काम करछथि उन्हकन्हि मारै ला
यकछथि उन्हकन्हि ईश्वरकेर यिह् तजबीज जानिकरिके
खाली अपनहो यिह् काम ये करछथि से नहि किन्तु यिह्
तरह्केर काम करन्हिहारनिपरे खोश होछथि।

२ दोसरा पर्व्व।—एकरैलेल हे तजबीज करनिहार अद्
मी येकेउ छह् तोहरा उजर करैकेर राहि नहि छय का
हेका तोह तजबीजमे दोसराके दोषी करिके उअह् विषय
मे अपनहुके दोषी करछह् काहेका हे तजबीज करनिहा
२ र तोह अपने उहे काम करछह। किन्तु हमरन्हि जानछी
का उअह डौलकेर काम करनिहारन्हिकेर बिरोध ईश्वरकेर
३ बिचार सचोटाइका माफिक् छय। हे अद्मी तोह यिह्तरह्
केर कामकरनिहारन्हिकेर तजवीज करिके जैयो अपने
उहे काम करथि तैयो तोह् का ठहरावछह का ईश्वरका
४ विचारसे तोह बचबह्। ईश्वरकेर छेमा का तोहरा तो
बाह् करैकेरलेल राहि देखावछथि तोह् यिह नहि जानि
करिके ओकर दयातरह् संपत आउर छमातरह् आउर
५ ढेर दिनलगि बरदास्त का तुच्छकरिके जानछह्। किन्तु ई
श्वरकेर गजब आउर हक तजवीज प्रत्यक्ष करैकेल दिनलगि
अपन कठोर आउर तोबाह नहि करनिहार मनकेर ऐ
६ सन् अपना लेल गजबके जमा करछथि। का ये प्रतिअद्मी
७ के उन्हकन्हिका कामकेर फल देतैखन्। ये सहनिहार होक
रिके सदा अच्छा काम केलासे मोच्छ आउर मर्यादा आउर
अमरपना खोजछथि उन्हकन्हिके अपार आव्वैल देतैखन्।
८ परन्तु ये झगराउ आउर सचोटाइ नहि मानैतथि परन्तु

अनोचित काम मानहथि यिहूदी ग्रीक वगैरह् आउर देशि
९ न्ह येतना बदकाम करनिहार उन्हकन्हिके तंबि आउर
१० गजब आउर दुख आउर कष्टतरह् दंड देतैखन्। किन्तु यिहू
दी ग्रीक वगैरह् आउर येतना भला काम करनिहार अद्मी
हथि उन्हकन्हिके मोच्छ आउर मर्याद आउर कुशलतरह्
११ फल देतैखन्। काहेका ईश्वरका आगा पच्छदारी नहि हय।
१२ ये दिन यिशु ख्रीष्टका मारफत ईश्वर हमरा मंगलसमाचार
केर ऐसन् अद्मिन्हकेर भांपल काम तजबीज करतैखन्।
१३ उअह् दिन जिन्हकन्हि बेतौरेत पाप कैलखनह् उन्हकन्हि
केर बिनाश तौरेत बिना होतैखन् आउर जिन्हकन्हि तौ
रेत पौलें पाप कैलखनह् उन्हकन्हिकेर तजबीज तौरेतकेर
१४ ऐसन् होतैखन्। काहेका तौरेत सुननिहार ईश्वरका
आगा साधु कैल जाथि नहि परन्तु तौरेतकेर करनिहार
१५ साधु कैल जैता। आउर देशिन्ह अद्मी का जिन्हकन्हिका
तौरेत नहि हय उन्हकन्हि जब अपना सुभावसे तौरेत
केर काम करहथि तब उन्हकन्हि अपना मनमे लिखलें
१६ तौरेतकेर काम प्रत्यक्ष कैलापरें आउर उन्हकन्हिकेर बि
चार शक्ति गोआहिआ कैलासे आउर उन्हकन्हिकेर ज्ञान
परस्पर कलंक किंवा सबब बात कैलासे तौरेत पौला बिना
१७ अपन् तौरेत अपनहि होहथि। देखह् तोह् यिहूदी
नामुद हथि आउर तौरेतपरें बिश्वास करहथि आउर
१८ ईश्वरका विषयमे अहंकारकेर बात कह्हथि। आउर
शास्त्र जाननिहार होकरिके ओकर इच्छा जाननिहार
१९ हथि आउर ढेर उत्तम कामकेर बिचार करहथि। आउर
अंधरा अद्मीके राहि बतौनिहार आउर अंधारमे रह
निहारन्हिके इंजोर आउर बेवकूफन्हिकेर पढौनिहार
२० आउर बुतरन्हिके सिखौनिहार हथि। आउर ज्ञान
आउर तौरेतकेर सचौटाई तरह् डौलका तोहर हथि

२१ थिह् समन्हिमे निश्चय केले छथि। एकरैलेल हे दोस
रांकेर सिखौनिहार तोह् का अपनाके सिखलाव नहि
तोह् ये उपदेश करछह् का अदमोका चोरिकरनै उचित
२२ नहि का चोरि करछह्। छिनरपन् मना करनिहार
तोह् का छिनरपन् करछह् हे देवताकेर घिनौनिहार तोह्
२३ का ईश्वरके देल चोज सहजतरह् व्यवहार करछथि। हे
शास्त्र जन्वामे अहंकारी तोह् का शास्त्र लंघनासे ईश्वरकेर
२४ अपमान् करछह्। काहेका जैसन् लिखल छय तैसन् आउर
देशिन्हका बीचमे ईश्वरकेर नाव तोहरन्हिका करैते निंदा
२५ केलखन् ह। काहेका तोह जेयो तौरेत पालछह् तैयो तोह
रा सुनतसे लाभ छय सही परन्तु तौरेत लांघनिहार भेला
२६ से तोहर सुनत बेसुनत होइय। एकरासे बेसुनतवाला
जैयो तौरेतकेर धर्म्म पालथि तैयो ओकर गरसुनतका
२७ सुनततरह् मानल जायेत् नहि। तोह् अक्षर आउर सुन
तके अभिमान् करिके तौरेतके लांघछह् एकरै लेल सुभावसे
जन्मल ये गरसुनत उअह् जब शास्त्रकेर धर्म्म पालण कर्
थि तैयो बिचारसे उअह् का तोहर् कलंक निश्चय नहि कर
२८ ता। काहेका प्रत्यक्ष ये यिहूदी उअह् यिहूदी नहि आउर
२९ मासकेर ये सुनत से सुनत नहि। किन्तु भीतरमे ये यिहूदी
ओहे यिहूदी आउर सुनत मनकेर अक्षरकेर नहि किन्तु
आत्माकेर का येकर खेयापनामी अदमीसे नहि होथे किन्तु
ईश्वरसे होइय।

३ तेसरा पर्ब्ब।—तैयो यिहूदीका का लाभ आउर सु
१ नतकेर का लाभ। सभे तरहसे ढेर पहिलहि यिह् ईश्व
रकेर सुफल बात उन्हकन्हिका आगा देल गेलखन्। का
३ हेका उन्हकन्हिका बीचमे जेयो केउर प्रतित नहि केलखन्
तैयो ईश्वरमे ये बिश्वास उन्हकन्हिकेर अबिश्वास का उअह्

४ बिस्वासकि ब्यर्थ करिसकहथि। उअह् जनु होऔ ईश्वर साच
कहनिहार तरहसे आउर प्रति अद्मी झुठ कहनिहार
तरहसे मानल जैता जैसन् यिह् लिखल हय का तोह् अप्ना
बातमे साधु कैल जाह् आउर बिचार कैलहाकरिके जित
५ थि। किन्तु हमरन्हिकेर बेसाधपना जेयो ईश्वरकेर साध प
नाकेर बडाई करथि तैयो हमरन्हि का कहब फलदेनिहार
ईश्वर का बेसाध हथि से नहि होअथि हम अद्मोकेर ऐसन्
६ कहची उअह् भेलासे ईश्वर संसारकेर बिचार कौन् तरह्
७ करता। काहेका ईश्वरका बडाईकेर लेल हमर ये झुठबात
उअह् बातसे ईश्वरकेर सचैाटाई जेयो अधिक पसरल रहे
तैयो हम गुनाह्गारकेर ऐसन् काहेलेल बिचार कैलहोई।
आउर केतनार अद्मी का जिन्हकन्हिका नर्ककेर कष्ट पावने
८ उचित हय उन्हकन्हि हमरन्हिका कलंककेर लेल निस्चयकरि
के जैसन् कहहथि का हमरन्हि कहबी या सूधरकेर लेल हम
रन्हि बूरा काम करी उअह् बातका बरोबर बलिक हमर
९ न्हि बिचार केजे काहे नहि होहथि। तैयो काहे हमरन्हि
उन्हकन्हिसे भला उअह् कोनो तरह् नहि हथि काहेका
हमरन्हि साबूत पहिले देलहो या यिहूदी आउर अन्यदे
१० शिन्ह अद्मिन्ह सभे पापका अधिन भेलाह। जैसन् यिह्
११ लिखल हय साध केउ नहि एक अद्मीओ नहि। अकिलगर
१२ केउ नहि ईश्वरकेर खोजनिहार केउ नहि। उन्हकन्हि
सभे राह्हि छोडलखनह उन्हकन्हि सभे कर्म्मरहित भेलहथि
१३ नेक कामकरनिहार केउ नहि एक अद्मीओ नहि। उन्ह
कन्हिकेर नरेटी खूलल गोरि हय उन्हकन्हि जीह्से भूलैल
खनह उन्हकन्हिका ओठपरे कालसांपकेर जहर हय।
१४ उन्हकन्हिकेर मूंह सराप देलासे आउर करुआईमे भर
१५ ल हथि। उन्हकन्हिकेर गोड खूनकेलामे शिघ्रगामी हय।

१६ उन्हकन्हिका चललामे बिनाश आउर अमंगल रहहय।
१७ आउर कुशलकेर राहि उन्हकन्हि जानथि नहि। ईश्वरका
१८ विषयमे उन्हकन्हिका आंखिका कछुयो डर नहि हय। हम
रन्हि जानही का तौरेत ये कहहथि उअह तौरेतकेर अ
१९ धिन अदमिन्हके कहहथि का प्रति मुंह बंद होय आउर
२० सगरो संसार ईश्वरका नजीक दोषी होअथि। एकरैलेल
तौरेतका कामसे ओकरा आंखिका आगा कौनो प्राणी साध
२१ केल जैता नहि काहेका तौरेतसे पाप जानल जाहय। किन्तु
अब ईश्वरकेर ये साधपना तौरे छोडि हय उअह धर्म्मतौ
रेतसे आउर नबिन्हका बातन्हिसे साबुत देल जायेत प्रत्यक्ष
२२ हय। अर्थात् ईश्वरकेर ये धर्म्म यिशु खीष्टपरे बिश्वाससे
सभे बिश्वासकरनिहारन्हिका आगा आउर सगरो बिश्वास
करनिहारन्हिपरे हय काहेका कछुयो जुदाई रहे नहि।
२३ काहेका सभन्हि पाप कैलछन्ह आउर ईश्वरकेर महिमा
२४ प्रकाशसे कसूरकैखन्ह। ओकरा अनुग्रहसे खीष्ट यिशु
२५ मे ये मुक्ति ओकरासे हमरन्हि मुक्ति साधकैलही। का
ईश्वरका क्षमासे पहिलेकेर कैल पाप छोडैलाका राहिसे
ओकर साधपना जनावैकेर लेल येकराके ईश्वर ओकरा
लोहूसे संतुष्ट करनिहार बलिदान मोकरर् कैलखन्
२६ ह। अर्थात ओकर साधपना यिह समयमे जनावैकेर लेल
का उअह साधु होअथि आउर ये अदमी यिशुपरे बिश्वास
२७ करहथि ओकराके साध करनिहारभी होअथि। तयो
अहंकार करनै कहां उअह छेकल हथि कौनो फतुआसे
२८ कामकेर से नहि परन्तु बिश्वासकेर फतुआसे। एकरैलेल
हमरन्हि निश्चय जानही का अदमी तौरेतके काम छोडि
२९ बिश्वासका भरोसासे साधु कैल जाहथि उअह का खाली
यिहूदिन्हकेर ईश्वर हथि उअह का आउर देशिन्हकेर
ईश्वर नहि हथि उअह अवश्य आउर देशिन्हकेर ईश्वरभी

३० छथि । ये सूनतन्हिके बिश्वाससे आउर बेसूनतन्हिके विश्वास
३१ से साध करतैखन् उअह् एक ईश्वर छथि । तैयो हमरन्हि
बिश्वाससे का तौरेत व्यर्थ करछी उअह् जनु होवे बल्कि
हमरन्हि तौरेत कायम करछी ।

४ चौठा पर्व्व ।—तैयो हमरन्हि का कहब का देहका
विषयमे हमरन्हिकेर पितृ अब्राहाम पौलखनह का छैवा
२ अब्राहाम जैयो कामसे साधु केलछ्छैतथि तैयो ओकरा
अंहाकारकेर बात कहैकेर कारण छोइत किन्तु ईश्वरका
३ आगा नहि । काहेका धर्म्मपुस्तकमे का कहछथि अब्रा
हाम ईश्वरपरे बिश्वास कैलखन् आउर उअह् बिश्वास
४ धर्म्मतरह ओकरा आगा गणल गेलहल । ये तौरेवकेर
काम करछथि ओकरा आगा फल अनुग्रहसे देल फलकेर
बोचमे गणल जाय नहि किन्तु उधारसे ।
५ परन्तु ये अद्मी कर्म्म नहि करछथि किन्तु ये असेवकन्हि
के साधु करछथि ओकरा परे बिश्वास करछथि ओकर
६ बिश्वास साधपनाका तरह गणलजाथि । दाउद जैसन्
यिह् बात कहिकरिके ये अद्मीका उपरे ईश्वर कर्म्मविना
७ धर्म्मकेर हिसाब करछथि उअह् अद्मीका आशीर्वादकेर
प्रशंसा करछथि जिन्हकन्हिका साधपनाकेर क्षेमा भेलोखन्
आउर जिन्हकन्हिकेर पाप झांपलछय उन्हकन्हि धन्य छथि ।
८ येकर पाप ईश्वर हिसाब नहि करता उअह् धन्यछथि ।
९ तैयो यिह् आशीर्वाद का खाली सूनतपरे होछय किम्वा
बेसूनतपरेभी होछय काहेका हमरन्हि कहछी का बिश्वास
१० अब्राहामका उपरे धर्म्मतरह् हिसाब कैजगेल । तैयो
उअह् कैसन् हिसाबकैल गेल ओकर सूनतहोअैका बेरि
किम्वा बेसूनतकेर रहैकेर बेरिमे सूनतहोअैका वेरिमे नहि
११ परन्तु बेसूनतका वेरिमे । आउर उअह बेसूनतकेर

होकरिके ओकर ये बिश्वास हलैखन् उअह् बिश्वास तरह्
साधपनका मोहरतरहूसे सुनतकेर चिन्ह पौलखन् ह का
येतना अद्मी बिश्वास करहथि ओऊ जैयो बेसूनतकेर
होअथि तैयो उअह् उन्हकन्हिकेर पित होअथि का धर्म्म
११ उन्हकन्हिपरेभी हिसाब कैल जाय। आउर ये खाली सून
तभो नहि हय किन्तु बेसूनत रहैका बेरिमे हमरन्हिकेर
पित अब्राहामकेर ये बिश्वास हलैखन् उअह् बिश्वासकेर
गोडचिन्ह पकरके जाथि उन्हकन्हिकेर वेलभो का सूनतन्हि
१२ केर पित होअथि। काहेका उअह् करार का अब्राहाम
संसारकेर अधिकारी होता उअह् ओकराके आउर ओक
रा बंशन्हिके तौरेतका कामका राहिसे देल गेला नहि किन्तु
१३ बिश्वासतरह् साधपनका राहिसे। काहेका तौरेतकेर काम
करनिहारन्हि जैयो अधिकारि होअथि तैयो बिश्वास वर्थ
१४ हय आउर करार वर्थ कैल जाहय। तौरेत गजब जन्माव
हथि काहेका ये जगह् तौरेत नहि उअह् जगह्मे तौरेत
१५ लंघनाभी नहि हय। हकरासे उअह् बिश्वाससे होहथि
का फल अनुग्रहसे होवे का उअह् करार सगरो बंशका
उपरे कायम होवे ये बंश तौरेतका अनुसार हय खाली
उन्हकन्हिपरे नहि किन्तु अब्राहामका बिश्वासका तरह
ये बंश भेल हय ओकरा उपरऊ कायम होये का ये ईश्वर
१७ का आगा हमरन्हिकेर पित हथि। का ये मरल अद्मि
न्हके जीवाय हथि आउर येर चीज नहि हय उन्हकन्हि
होनिहार चिजन्हकेर येसन् कहहथि ओकरा आगा जै
सन् यिह् बात लिखल गेलहय का तोहराके ढेर देशिन्हकेर
१८ बंश हम कैलूंह्। जैसन् यिह् कहलखन् ह का तोहर बंश
वैसन होतो ये भरोसाकेर मुद्दयियन्मे भरोसा करिके
बिश्वास कैलखन् का उअह् उअह् ढेर देशकेर अद्मि
१९ न्हका पित होअथि। ये बिश्वासका विषयमे दूबर नहि

छोकरिकें एक सो बरिसका उमरकेर लगभग भेलापरे अपने
मरलाकेर ऐसन् देह आउर सारा केर नारिकेर सुखल
२० जननैभी बिचार नहि केलखन् । उअह् यरबिश्वाससे
ईश्वरका करारसे डगमग नहि भेला किन्तु ईश्वरकेर महि
मा करैत आउर उअह् ये करार केलखन् हल उअह् का
२१ सिद्धकरि सकथि एकरामे सन्देह करनिहार नहि छोकरि
२२ भी बिश्वासमे बलगर हला । ओहि लेल धर्म तरह् उअह्
२३ बिश्वास ओकरा परे हिसाब कैलगेल । उअह् का ओक
रापरे हिसाब कैल गेल यिह् खाली ओकरा लेल नहि लि
२४ खल हल । परन्तु हमरन्हियोकेरभी लेल का जिन्हकन्हिका
उपरे उअह् हिसाब कैल जायेत् जैथें हमरन्हि ओकराप
रे बिश्वास करी ये हमरन्हिकेर प्रभु यिशुके मरलासे उठा
२५ लखन्ह । ये हमरन्हिका पापकेर लेल दुःख पाबैकेर लेल
सोंपल गेला हल आउर हमरन्हिके साधु करैकेर लेल दु
सरा बेरि उठालखन् हल ।

५ पचवां पर्व्व ।—एकरैलेल हमरन्हि बिश्वाससे साधु
कैलापरे हमरन्हिकेर प्रभु यिशु खीष्टका माझेत ईश्वर
२ का साथे मेलि पाअहथि । येकरा वसीलासे हमरन्हि
ये अनुग्रहपरे कायम छी उअह् अनुग्रहमे बिश्वास करै
केर वसीलासे हेल पावली आउर ईश्वरकेर सुख पावैकेर
३ भरोसापरे खोसी करही । आउर खाली यिह् नहि पर
४ न्तु दुःख का बरदास्तके पैदा करहथि आउर बरदास्तका
परिछाके पैदा करहथि आउर परिछा भरोसाके पैदा
५ करहथि आउर भरोसा का लाज जन्मैथि नहि । काहेका
हमरन्हिके देल धर्म्मात्मासे ईश्वरकेर प्रेम हमरन्हिका
मनमे छितरायल बिह् सभे शानिकरिके हमरन्हि दुर्दशा
६ मे सावसिक छोही । काहेका हमरन्हिका निर्व्वल छोयेका

वेरिमे उचित समयमे ईश्वरकेर टहल नहि करनिहारन्हि
७ केर लेल खीष्टमरला। साधु अद्मीकेर लेल प्राय करिकेभी
केउ नहि मरता तैयो मंगल करनिहार अद्मीकेर लेल केउ
८ मरैके कदाचित साहस करसकछथि । किन्तु ये समयमे ह
मरन्हि पापी छलुं उअह् वेरिमे खीष्ट हमरन्हिकेर लेल म
रला एकरासे ईश्वर हमरन्हिका दिशि अपना प्रेमकेर बड़ा
९ ई कैलखन्। एकरैलेल अब हमरन्हि ओकरा लोऊसे साध
कैल होकरिके ओकरा मार्फत गजबसे बलिक उद्धार पैता।
१० काहेका हमरन्हि दुश्मन होकरिके ईश्वरका बेटाका मृत्युसे
ईश्वरका साथे उअह् वेरिमे मिलल छला ओकरऊसे मि
लल छला ओकरा जीअतसे हमरन्हि बलिक रक्षा पायेब।
११ आउर खाली उअहभी नहि किन्तु हमरन्हिकेर प्रभु यिशु
खीष्टका वसीलासेभी हमरन्हि ईश्वरमे साहसिक होही
का येकरासे हमरन्हि अब प्रायश्चित्तकेर फल पावलछी।
१२ एकरासे जैसन् एक अद्मीका मार्फत संसारमे पाप हेलल
आउर पापसे मृत्यु हेलल आउर ओकरासे सभे पापकर
१३ निहार भेलापरे मृत्यु सभन्हिपरे आयेल। काहेका तौरेत
प्रत्यक्ष लगि पाप संसारमे छल परन्तु जहां तौरेत नहि
१४ ऊंआ पाप हिसाब कैल जाय नहि। किन्तु जिन्हकन्हि आदम्
के पाप तरहसे पाप नहि कैलखन्छल का ये ओकर उपमा
का येकर आवने होनिहार छय उन्हकन्हियोपरभी आ
१५ दमसे मोसहक्लगि मृत्यु राज कैलखन्। किन्तु येतरह्
दोष तेहीतरह् मुक्ति दान् नहि काहेका जैयो एक अद्मी
का दोषसे ढेर मरला छल तैयो ईश्वरका अनुग्रहसे आ
उर अनुग्रहसे ये दान् एक अदमीका मार्फत अर्थात् हम
रन्हिकेर प्रभु यिशु खीष्टका मार्फत छथि बलिक ओकरा
१६ से अधिक ढेरन्हिपरे अधिक छथि। आउर एक अद्
मीकेर पापसे जैसन् छला दान वैसन् नहि काहेका एक

गुनाहसे दंड देवालगि हुकुम हल किन्तु मुक्ति दान् ढेर
१७ दोषका बिनाशकेर लेल साध करैलगि हथि। काहेका
जेयेा एक अद्मीका दोषका वसीलासे मृत्यु एकसे राज
कैलखन् तैयेा ये अनुग्रहकेर अधिकता आउर साधपना
दान पावहथि उन्हकान्हि कतना अधिक एकका वसीलासे
अर्थात् यिशु खीष्टका वसीलासे जीअतमे राज करता।
१८ एकरैलल जैसन् एक अद्मीका दोषसे सगरेा अद्मिन्हके
दंड देवालगि तजवीज भेल ओहितरह् एक अद्मोके धर्म्म
१९ से साध करैलगि मुक्ति दान् सभेका उपरे आयल। काहे
का एक अद्मीका ईश्वरकेर हुकुम नहि माननासे जैसन्
ढेरन्हि पापी कैल गेलाहल तैसहि एक अद्मीका ईश्वर
२० केर हुकुम माननासे ढेर साध कैल जैता। दोष अधिक हेा
हय एकरैलेल तारेल पहुंचला किन्तु ये जगहमे पापकेर
अधिकता हल उअहू जगहमे अनुग्रहकेर अधिकता अधिक
२१ हल। का जैसन् पाप मृत्युलगि राज कैलखन्हल तैस
हि साधपनासे अपार जीवनलगि हमरन्हिकेर प्रभु यिशु
खीष्टका वसीलासे अनुग्रह् राज करथि।

६ छठवां पर्व्व।—तैयेा हमरन्हि का कहब अनुग्रहकेर
अधिकता हेाअैकेर लेल का हमरन्हि पाप करब से नहि
२ हेाये। हमरन्हि का ये पापके दिशि मरलही कैसे ओकरा
३ मे आउर यबहार करब। ताहरन्हि का जान नहि का हम
रन्हिका बीचमे जेतना अद्मी यिशु खीष्टमे गेाता मारले
४ हला तेतना ओकरा मरलामे गेाता मारल हला। एक
रासे हमरन्हि मृत्युमे गेाता मारले भेलासे ओकरा साथै
गेारिमे गाडल जाहथि का जैसन् महतारका तेजसे खीष्ट
मृत्युसे उठावल हला तैसहि हमरन्हियेा नवा यबहारमे
५ चलनू। जैयेा ओकरा मरलाकेर जैसन् हमरन्हि एकठा